Dr.Uttam Kumar
SRAP College,Barachakia
Mob no-8210561032

Faculty -Commerce
Subject -Business Organisation
Class -2nd Semester
Session-2023-27

Topic

Meaning Of Business Organisation

"हमारे कारखाने ले जाओ, हमारा व्यापार ले जाओ, परिवहन के साधन और धन ले जाओ, हमारे पास कुछ न छोड़ो, किन्तु हमारा संगठन छोड़ दो और चार वर्ष के अन्दर हम अपने को पुनः स्थापित कर लेंगे।[1] —एण्ड्रयू कार्नेगी

प्रारम्भिक—संगठन के प्रकारों/प्रारूपों की आवश्यकता (Need of Types/Forms of Organisation)

संगठन प्रबन्ध का ढाँचा होता है जोकि उपक्रम में संलग्न व्यक्तियों के कार्यों एवं उनके सम्बन्धों की व्याख्या करता है। बिना उपयुक्त संगठन के उपक्रम एक मृतक व्यक्ति के समान होता है। जैसे-जैसे उपक्रम का आकार बढ़ता जाता है, उसके संगठन की समस्या जटिल होती जाती है। उदाहरण के लिए, एक बड़े आकार वाले उपक्रम में जहाँ हजारों व्यक्ति कार्य करते है, वहाँ यह समस्या उठ खड़ी होती है कि उसमें कार्य करने वाले कर्मचारियों के मध्य अधिकारों, कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों का विभाजन किस प्रकार से किया जाये जिससे कि उपक्रम की कार्य-विधियों में पूर्ण सामंजस्य बना रहे एवं वह अपनी पूर्ण कुशलता के साथ कार्य करने में समर्थ हो सके। इस गम्भीर समस्या का समाधान करने के लिए संगठन के विभिन्न प्रारूपों की आवश्यकता प्रतीत हुई क्योंकि एक ही प्रकार का संगठन उपर्युक्त सभी उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कर सकता। किस उपक्रम में संगठन का कौन-सा प्रारूप उपयुक्त होगा, यह उपक्रम की प्रकृति, आकार, क्षेत्र, उत्पाद की किस्म तथा कार्य-प्रणाली पर निर्भर करेगा।

संगठन के विभिन्न प्रकार अथवा प्रारूप
(DIFFERENT TYPES OR FORMS OF ORGANISATION)

श्री फ्रेंक (Frank) के अनुसार, "किसी उपक्रम का आकार बढ़ जाने के कारण यदि किसी व्यक्ति-विशेष द्वारा उसकी क्रियाओं का निरीक्षण करना कठिन हो जाये तो ऐसे व्यक्ति को अपना कुछ कार्य अन्य व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को सौंप देना चाहिए। ऐसी स्थिति में अन्य व्यक्ति उक्त सौंपे गये कार्य के प्रति उत्तरदायी हो जायेंगे।" कार्य सौंपे जाने की निम्न **तीन प्रमुख विधियाँ हैं**—(1) रेखा (Line), (2) कर्मचारी (रेखा एवं कर्मचारी), तथा (3) क्रियात्मक।" किन्तु आजकल संगठन के निम्न छः प्रारूपों का प्रचलन है—(I) रेखा अथवा सैनिक संगठन (Line or Military Organisation), (II) कर्मचारी एवं लम्बवत् संगठन (Staff and Line Organisation), (III) क्रियात्मक संगठन (Functional Organisation), (IV) समिति संगठन (Committee Organisation), (V) अन्तर-इकाई प्रशासन संगठन (Inter-unit Administrative Organisation), तथा (VI) पार्श्व संगठन (Lateral Organisation)।

(I) रेखा संगठन
(LINE ORGANISATION)

रेखा संगठन से आशय एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions of Line Organisation)

यह संगठन की सबसे सरल एवं सबसे प्राचीन पद्धति है। इसमें कार्यों का विभाजन कई स्वतन्त्र विभागों में किया जाता है। इस पद्धति को कई नामों से पुकारा जाता है, जैसे—सैनिक संगठन (Military Organisation), सोपानीय संगठन (Scalar Organisation), विभागीय संगठन (Departmental Organisation), लम्बवत् संगठन (Vertical Organisation), आदि। इसके विभिन्न नाम होते हुए भी इनकी विशेषताएँ लगभग समान हैं।

---

1 "Take away our factories, take away our trade, our means of transportation, our money, leave nothing but our organisation and in four years we shall have re-established ourselves." —*Andrew Carregie.*

रेखा संगठन से आशय ऐसे संगठन से है जिसमें अधिकारों का प्रवाह उच्च-स्तर से निम्न-स्तर की तरफ तथा उत्तरदायित्वों का प्रवाह नीचे से ऊपर की ओर रेखाबद्ध रूप से होता है। इसमें शीर्ष-स्तर से नीचे तक एक रेखा बनती है जिसमें अधिकारों और दायित्वों की कड़ियाँ परस्पर जुड़ी रहती है। सी. बी. गोइंग के अनुसार, "रेखा संगठन में अधिकारों और दायित्वों की रेखाएँ सम्पूर्ण संस्था में सतत् रूप से नीचे की ओर चलती है, जैसे कि पत्तियों की शिराएँ वृन्त के पास एकत्रित होती हैं, अनेक पत्तियों के वृन्त टहनी से मिलते हैं, अनेक टहनियाँ शाखाओं से मिलती हैं तथा कई शाखाएँ तने से मिलती हैं और शिराएँ, वृन्त, टहनियाँ, शाखाएँ और तने को सामान्यतः पेड़ के जीवन एवं विकास में सभी कार्य करने पड़ते हैं।"

श्री मैक्फारलैण्ड के अनुसार, 'रेखा संरचना में प्रत्यक्ष शीर्ष रेखा सम्बन्ध होते हैं जो प्रत्येक स्तर की स्थिति एवं कार्यों से ऊपर तथा नीचे के स्तर से सम्बन्ध स्थापित करते हैं।"[1]

श्री ऐलन के अनुसार, 'रेखा आदेश की वह शृंखला है जो संचालक-मण्डल के विभिन्न प्रत्यायोजनों एवं पुनः प्रत्यायोजन द्वारा अधिकारों एवं दायित्वों को उस बिन्दु तक पहुँचाती है जहाँ पर कि कम्पनी की प्राथमिक क्रियाओं को पूरा किया जाता है।"[2]

श्री आर. सी. डेविस के अनुसार 'रेखा संगठन अधिकारियों और क्रियाशील व्यक्तियों के बीच वह क्रम व्यवस्था है जो संस्था के सर्वोच्च प्रशासकीय अधिकारी से प्रारम्भिक कर्मचारी तक विस्तृत है।" इसमें सर्वोच्च अधिकारी जनरल मैनेजर होता है। वह अपना आदेश विभागीय मैनेजर को देता है, विभागीय मैनेजर सुपरिण्टेण्डेण्ट को आदेश देता है, सुपरिण्टेण्डेण्ट फोरमैन को और फोरमैन श्रमिकों को आदेश देता है। इस प्रकार अधिकार एवं दायित्व की रेखा सीधे क्रम में ही चलती है। इसी कारण इसे रेखा संगठन कहते हैं। प्रत्येक व्यक्ति अपने नीचे के समस्त व्यक्तियों के ऊपर होता है तथा अपने से ऊपर के अधिकारी के प्रति उत्तरदायी होता है। ध्यान रहे इसमें कोई भी अधिकारी समान स्तर पर कार्यरत किसी अधिकारी से न तो कोई अधिकार प्राप्त करता है और न उसे देता है।

रेखा संगठन की विशेषताएँ (Characteristics)—रेखा संगठन की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं—

(1) आदेश (Order) ऊपर से नीचे की ओर जाता है तथा निवेदन (request) नीचे से ऊपर की ओर जाता है।

(2) आदेश केवल एक ही पदाधिकारी से मिलता है।

(3) अधिकार-सत्ता एक सीधी रेखा के रूप में प्रवाहित होती है।

(4) प्रत्येक कर्मचारी को निकटतम अधिकारी (Immediate Superior) से आदेश मिलता है।

(5) एक पदाधिकारी के नियन्त्रण में अधीनस्थों (Subordinates) की संख्या सीमित होती है।

(6) समन्वय में सुविधा रहती है।

(7) यह सबसे सरलता से क्रियान्वित किया जा सकता है।

(8) प्रत्येक अधिकारी अपने तुरन्त बड़े अधिकारी के प्रति उत्तरदायी होता है।

(9) सम्पूर्ण संगठन एक जंजीर की भाँति होता है।

क्षेत्र अथवा उपयुक्तता (Scope or Suitability)—रेखा संगठन केवल कुछ विशेष प्रकार की औद्योगिक इकाइयों में ही सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि—

(1) औद्योगिक इकाई का आकार बहुत बड़ा न हो।

(2) अधीन कर्मचारियों की संख्या अधिक न हो।

(3) विभिन्न इकाइयों का सरलतापूर्वक विभाजन किया जा सकता हो।

(4) कार्य समन्वय प्रकृति का हो।

(5) कर्मचारी अनुशासनप्रिय हों।

(6) श्रम तथा प्रबन्ध सम्बन्धी समस्या न हो।

रेखा संगठन के भेद (Types of Line Organisation)—रेखा संगठन निम्न दो प्रकार का हो सकता है—

(1) शुद्ध रेखा संगठन, तथा (2) विभागीय रेखा संगठन।

"Line structure consists of the direct vertical relationships which connect the positions and tasks of each levels wi above and below it." —Mc

"The line is the chain or command that extends from the board of directors though the various delegation and red of authority and responsibility to the point where the primary activities of company are performed."